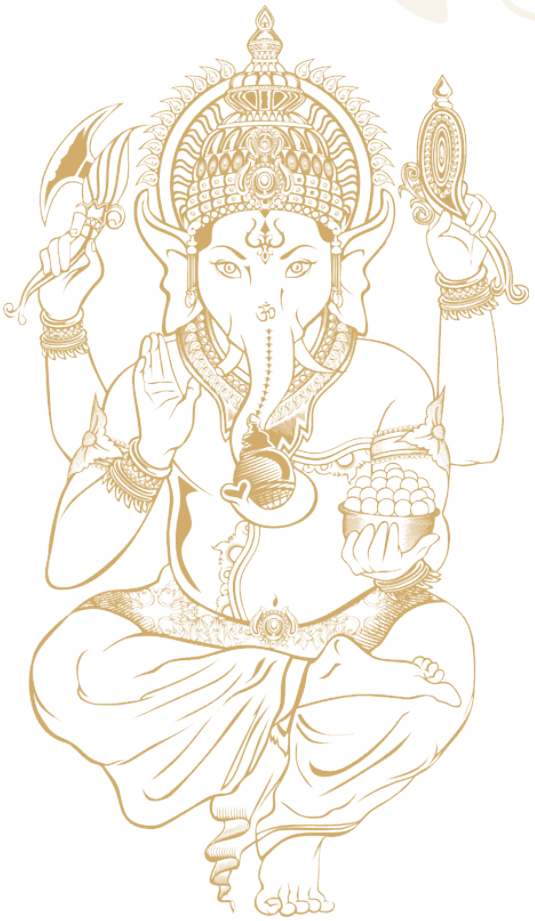

Mr.

31 Jan 2026

02:09 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121387306

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:09:00 घंटे**
इष्ट	17:27:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:47:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:24 घंटे
साम्पातिक काल	22:30:12 घंटे
सूर्योदय	07:10:09 घंटे
सूर्यास्त	17:59:19 घंटे
दिनमान	10:49:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:15:09 मकर
लग्न के अंश	27:35:18 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:35:18	345:10:08	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	---
सूर्य			मक	17:15:09	01:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	26:27:56	14:28:43	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	12:00:14	00:46:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	24:07:19	01:45:48	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:12:32	00:06:46	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	23:09:07	01:15:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मीन	04:21:16	00:05:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:56:15	00:04:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:56:15	00:04:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:33	00:00:12	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:53:56	00:01:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:27:11	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	11:32:10	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

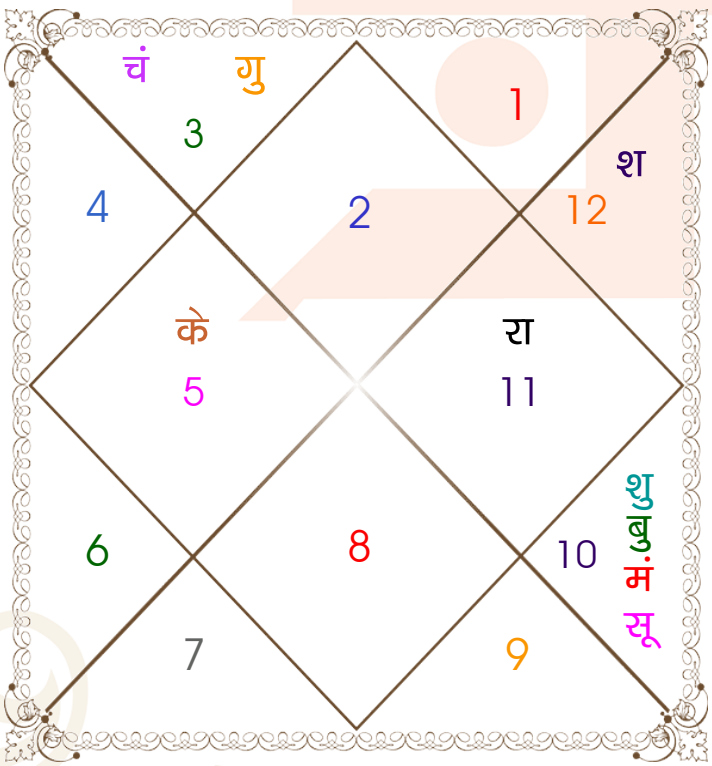

चन्द्र कुंडली

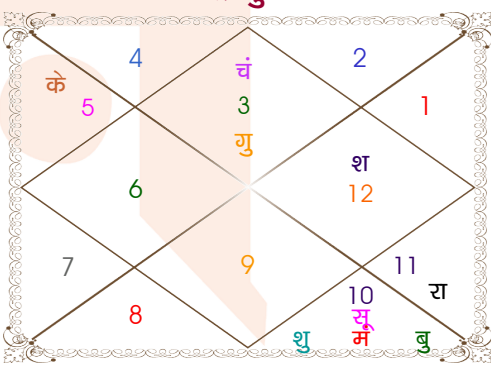

नवमांश कुंडली

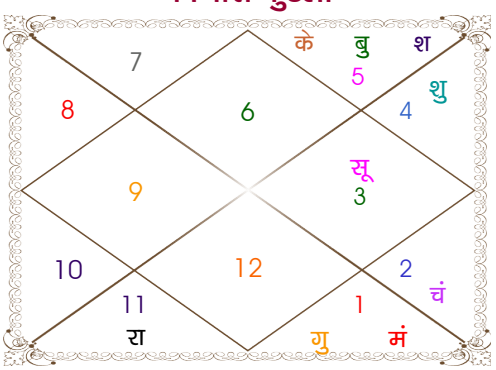

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 2 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
31/01/2026		29/04/2034		29/04/2053		29/04/2070		29/04/2077	
29/04/2034		29/04/2053		29/04/2070		29/04/2077		29/04/2097	
	00/00/0000	शनि	02/05/2037	बुध	26/09/2055	केतु	25/09/2070	शुक्र	29/08/2080
	00/00/0000	बुध	10/01/2040	केतु	22/09/2056	शुक्र	26/11/2071	सूर्य	29/08/2081
	31/01/2026	केतु	18/02/2041	शुक्र	24/07/2059	सूर्य	01/04/2072	चंद्र	30/04/2083
केतु	12/03/2026	शुक्र	20/04/2044	सूर्य	29/05/2060	चंद्र	31/10/2072	मंगल	29/06/2084
शुक्र	10/11/2028	सूर्य	02/04/2045	चंद्र	29/10/2061	मंगल	30/03/2073	राहु	29/06/2087
सूर्य	29/08/2029	चंद्र	01/11/2046	मंगल	26/10/2062	राहु	17/04/2074	गुरु	27/02/2090
चंद्र	29/12/2030	मंगल	11/12/2047	राहु	14/05/2065	गुरु	24/03/2075	शनि	29/04/2093
मंगल	05/12/2031	राहु	17/10/2050	गुरु	20/08/2067	शनि	02/05/2076	बुध	28/02/2096
राहु	29/04/2034	गुरु	29/04/2053	शनि	29/04/2070	बुध	29/04/2077	केतु	29/04/2097

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/04/2097		01/05/2103		30/04/2113		30/04/2120		30/04/2138	
01/05/2103		30/04/2113		30/04/2120		30/04/2138		00/00/0000	
सूर्य	17/08/2097	चंद्र	29/02/2104	मंगल	26/09/2113	राहु	11/01/2123	गुरु	17/06/2140
चंद्र	15/02/2098	मंगल	29/09/2104	राहु	15/10/2114	गुरु	06/06/2125	शनि	30/12/2142
मंगल	23/06/2098	राहु	31/03/2106	गुरु	21/09/2115	शनि	11/04/2128	बुध	06/04/2145
राहु	18/05/2099	गुरु	31/07/2107	शनि	29/10/2116	बुध	30/10/2130	केतु	01/02/2146
गुरु	06/03/2100	शनि	28/02/2109	बुध	27/10/2117	केतु	17/11/2131		00/00/0000
शनि	16/02/2101	बुध	31/07/2110	केतु	25/03/2118	शुक्र	17/11/2134		00/00/0000
बुध	23/12/2101	केतु	01/03/2111	शुक्र	25/05/2119	सूर्य	12/10/2135		00/00/0000
केतु	30/04/2102	शुक्र	29/10/2112	सूर्य	30/09/2119	चंद्र	12/04/2137		00/00/0000
शुक्र	01/05/2103	सूर्य	30/04/2113	चंद्र	30/04/2120	मंगल	30/04/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।